

(c) and (d). The three chances are to be given in terms of the agreement entered into with the Labour Federation. These three chances are considered quite adequate for the purpose.

राज्यों के लिए बच्चों की रेलगाड़ियां

*613. श्री यशवन्त सिंह कुशावाह : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्रत्येक राज्य को बच्चों की एक रेलगाड़ी देने के कार्यक्रम के अन्तर्गत किन-किन राज्यों को बच्चों की रेलगाड़ियां दी गई हैं ; और

(ख) राज्यों की ये रेलगाड़ियां किन शर्तों पर दी जाती हैं ?

विधि तथा समाज कल्याण और रेलवे मंत्री (श्री गोविन्द मैनन) : (क) मैसूर, गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के राज्यों को बच्चों की रेलगाड़ियां दी गयी हैं ।

(ख) गाड़ी मुफ्त दी जाती है लेकिन राज्यों को रेल पटरी बिछाने और शोडों तथा स्टेशनों की व्यवस्था करने का खर्च वहन करना पड़ता है । परिचालन और अनुरक्षण सम्बन्धी खर्च का भार भी राज्यों द्वारा वहन किया जाता है ।

Set Back to Industrial Development of India

*614 SHRI N. R. LASKAR :
SHRI CHENGALRAYA
NAIDU :
SHRI MAYAVAN :
SHRI J. B. SINGH :
SHRI DHANDAPANI :

Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that in view of the political instability for the past one year, the industrial development in the country has worsened;

(b) if so, how much has been suffered by the political instability in industries;

(c) whether some of the schemes which were approved by Government had been abandoned;

(d) whether the slow industrial progress will harm the nation to a great extent; and

(e) if so, the steps being taken in this regard?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED): (a) No. Sir.

(d) and (e). Do not arise.

(c) No specific instances have come to Government's notice.

(d) and (e) : Do not arise.

लघु उद्योगों में हरिजनों तथा आदिवासियों को रोजगार देना

*615. श्री देवेन सेन : क्या औद्योगिक विकास, आंतरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का विचार लघु उद्योगों में हरिजनों तथा आदिवासियों को रोजगार देने के लिए एक पृथक औद्योगिक विकास निगम स्थापित करने का है ।

(ख) यदि हां, तो कब तक, और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

औद्योगिक विकास, आंतरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फजलुद्दीन अली अहमद) : (क) जी, हां ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।

(ग) इस उद्देश्य के लिए अलग निगम स्थापित करने की सरकार आवश्यकता नहीं समझती ।